By:- Savita Kumari
Dept. of History
J.N.C Madhubani

यूरोप में पुनर्जागरण के परिणाम

(The Results of the Renaissance in Europe:)

पुनर्जागरण के कारण यूरोप के जीवन में आमूल परिवर्तन हुआ। मध्ययुगीन विश्वासों, धारणाओं एवं प्रथाओं के विरुद्ध विद्रोह का शंख फूँककर पुनर्जागरण ने यूरोप में आधुनिक युग का आह्वान किया। इस प्रकार पुनर्जागरण विश्व इतिहास में एक महत्वपूर्ण स्थान रखता है। वस्तुतः पुनर्जागरण के फलस्वरूप ही यूरोप में राष्ट्रीयता की भावना का विकास हुआ तथा अध्यात्मवाद पर भौतिकवाद की विजय हुई। पुनर्जागरण के परिणाम-स्वरूप अन्धविश्वास का स्थान तर्क तथा विचार स्वातंत्र्य ने ले लिया फलतः आधुनिक विज्ञान की नींव पड़ी। पुनर्जागरण ने इधर भौतिकवाद धर्मनिरपेक्षवाद की शिक्षा दी। 16वीं शताब्दी के पूर्व लोग अन्तर्राष्ट्रीय साम्राज्य या अन्तर्राष्ट्रीय चर्च में विश्वास करते थे। परन्तु धर्मनिरपेक्षवाद के सिद्धांत ने राष्ट्रीयता के सिद्धांतों को जन्म दिया। मध्यकालीन युग में Papacy अन्तर्राष्ट्रीय सत्ता थी, परन्तु जब लोगों की श्रद्धा उसमें नहीं रही तो लोग अपने-अपने राष्ट्र के विकास के लिए प्रयत्न करने लगे। इस तरह पुनर्जागरण के परिणामस्वरूप जिस राष्ट्रीयता की भावना का उदय हुआ उससे वस्तुतः राष्ट्रीय संस्कृति का भी जन्म हुआ।

पुनर्जागरण की विशेषता:—

* 1. स्वतंत्र चिन्तन को प्रोत्साहन:— पुनर्जागरण ने स्वतंत्र चिंतन की विचारधारा को प्रोत्साहन दिया। अब यूरोपियन लोगों ने परम्परागत विश्वासों/मान्यताओं को तर्क की कसौटी पर कसना शुरू कर दिया। अब उनमें तार्किक दृष्टिकोण का उदय हुआ

*2. मानववादी विचारधारा का विकास :- पुनर्जागरण के फलस्वरूप मानवादी विचारधारा का विकास हुआ। मानववादियों ने इस बात पर बल दिया कि मनुष्य को परलोक की चिंता छोड़कर इस जीवन को आनन्द से व्यतीत करना चाहिए। मानववादियों ने धर्म और मोक्ष के स्थान पर सम्पूर्ण समाज के उद्धार पर बल दिया। उन्होंने सत्य, तर्क और नवीन दृष्टिकोण का प्रचार किया।

*3. प्राचीन रूढ़ियों और अन्धविश्वासों का विरोध :- पुनर्जागरण ने प्राचीन रूढ़ियों, अन्धविश्वासों तथा धार्मिक पाखण्डों और आडम्बरों पर कुठाराघात किया जिसके फलस्वरूप मनुष्य स्वतंत्र रूप से अपने व्यक्तित्व का विकास कर सका।

*4. देशी भाषाओं का विकास :- पुनर्जागरण के फलस्वरूप देशी भाषाओं का विकास हुआ। पुनर्जागरण के कारण विद्वानों ने बोल-चाल की भाषा में पुस्तकें लिखीं जिसके फलस्वरूप देशी भाषाओं का विकास हुआ।

*5. वैज्ञानिक विचारधारा का विकास :- पुनर्जागरण के कारण वैज्ञानिक विचारधारा का विकास हुआ। अब लोगों का झुकाव तर्क, प्रयोग, विज्ञान की ओर होने लगा। अब उनका विश्वास परम्पराओं, रूढ़ियों तथा अन्ध विश्वासों से हटने लगा।

[signature]